A two week intensive ITEC training programme on "Recent Trends and Challenges in Regulation and Standardization of Herbal Drugs and Formulations"
At NIPER-SAS Nagar, Punjab, India

Under India's Foreign Policy of Ministry of External Affairs, GOI, National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), S.A.S. Nagar has been chosen by the Ministry of External Affairs, GOI, to conduct ITEC (Indian Technical and Economic Cooperation) programmes in the field of Pharmaceuticals. The ITEC Programme was instituted by a decision of the Indian Cabinet on 15 September 1964 as a bilateral programme of assistance of the Government of India. The Development Partnership Administration (DPA)-III was set up in the Ministry of External Affairs in January 2012. The ITEC Programme is fully funded by the Government of India, has evolved and grown over the years. Under ITEC India has economic cooperation with 161 countries in Asia, Africa, East Europe, Latin America, the Caribbean as well as Pacific and Small Island countries are invited to share in the Indian developmental experience.

Prof. Dulal Panda, Director, NIPER-SAS Nagar has informed that NIPER is conducting such training programmes since last 23 years. This month NIPER SAS Nagar is organizing a two-week Intensive Training Program on **Recent Trends and Challenges in Regulation and Standardization of Herbal Drugs and Formulations** (from 8th June to 17th June 2022). Course Coordinator, Prof. Sanjay Jachak, Head, Department of Natural Products informed that total 25 participants from 13 countries (Azerbaijan, Bangladesh, Cambodia, Ethiopia, Libya, Malawi, Sudan, Tajikistan, Tanzania, Thailand, Togo, Tunisia and Zambia) with background of Drug Regulatory, Pharmacist and Quality Control, are attending this course. Resource persons from the pharmaceutical industry, academia and regulatory agencies will deliver lectures and participate in the deliberations. About 6 sessions will be held on hands on experience training on different analytical instruments. Visit to Ayurvet Ltd., Baddi and Zeon Lifesciences, Paonta Sahib are also a part of this ITEC program.

<u>नाईपर-एस.ए.एस. नगर, पंजाब, भारत में 'रीसेंट ट्रेंड्स एंड चेलेंजिस इन रेगुलेशन एंड स्टैण्डर्डआईज़ेशन ऑफ़ हर्बल ड्रग्स एंड फोर्मुलेशन" पर दो सप्ताह का गहन आईटेक (ITEC) प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की विदेश नीति के तहत राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), एस.ए.एस. नागर को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में आईटेक (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना गया है। आईटेक कार्यक्रम की स्थापना 15 सितंबर 1964 को भारत सरकार की सहायता के द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में भारतीय मंत्रिमंडल के एक निर्णय द्वारा की गई थी। डेवलपमेंट पार्टनरशिप एडमिनिस्ट्रेशन (डीपीए)-III की स्थापना जनवरी 2012 में विदेश मंत्रालय में की गई थी। आईटेक कार्यक्रम पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है जो वर्षों से विकसित हुआ है। I आईटेक के तहत भारत का एशिया, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका, कैरिबियन के साथ-साथ प्रशांत और छोटे द्वीप देशों में 161 देशों के साथ आर्थिक सहयोग है जिन्हें भारतीय विकास के अनुभव को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

नाईपर, एस.ए.एस. नगर के निदेशक प्रो. दुलाल पांडा ने बताया कि नाईपर पिछले 23 वर्षों से इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस महीने नाईपर एस.ए.एस. 'रीसेंट ट्रेंड्स एंड चेलेंजिस इन रेगुलेशन एंड स्टैण्डर्डआईज़ेशन ऑफ़ हर्बल ड्रग्स एंड फोर्मुलेशन" पर (8 जून से 17 जून 2022 तक) दो सप्ताह का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पाठ्यक्रम समन्वयक, प्रो. संजय जाचक, विभागाध्यक्ष, प्राकृतिक उत्पाद विभाग ने बताया कि 13 देशों (अज़रबैजान, बांग्लादेश, कंबोडिया, इथियोपिया, लीबिया, मलावी, सूडान, ताजिकिस्तान, तंजानिया, थाईलैंड, टोगो, ट्यूनीशिया और जाम्बिया) के कुल 25 प्रतिभागी जो ड्रग रेगुलेटरी, फार्मासिस्ट और क्वालिटी कंट्रोल की पृष्ठभूमि वाले हैं, इस पाठ्यक्रम में भाग ले रहे हैं। फार्मास्युटिकल उद्योग, अकादमिक और नियामक एजेंसियों के प्राख्यात वक्ता व्याख्यान देंगे और विचार-विमर्श में भाग लेंगे। विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों पर अनुभव प्रशिक्षण पर लगभग 6 सत्र आयोजित किए जाएंगे। आयुर्वेद लिमिटेड, बद्दी और ज़ोन लाइफसाइंसेस, पांवटा साहिब का दौरा भी इस आईटेक कार्यक्रम का हिस्सा है।